प्राचीन धरोहर के आकूत भंडार पर, पहरेदारों का टोटा

पांच स्मारक, 4 गार्ड, 8 घंटे तैनात, असुरक्षित हैं स्मारक

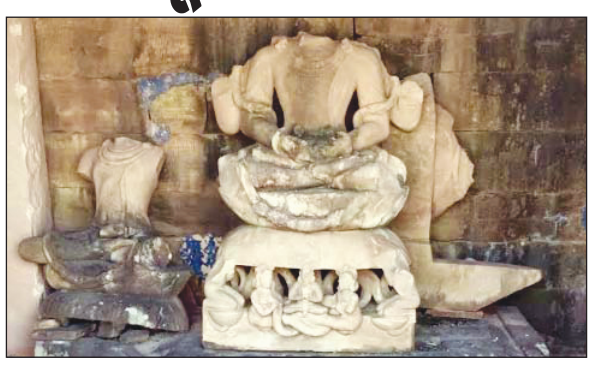

वहीं विभाग के अधिकारियों से सरकार की मंशा पर पानी और ठेकेदारों की मिली भगत फेरा जा रहा है.

नेतराम साहू
नवभारत न्यूज

पठारी 12 अक्टूबर, क्षेत्र में प्राचीन धरोहरों, स्मारकों और सम्पदा का आकूत भंडार है. जो आज बदहाली और असुरक्षा के शिकार बने हुए हैं.पर्यटकों और पुरा संपदा के प्रेमियों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है.एक ओर विभाग ने स्मारकों की सुरक्षा की जिम्मेदारी सुरक्षा एजेंसी को दे दी है. वहीं एजेंसी के गार्ड स्मारकों की देखरेख से दूर हैं.ऐसे हालातो में स्मारक भगवान भरोसे संरक्षित हैं.वही रामगढ़ की सप्त मडिया गुफा की सुरक्षा की जिम्मेदारी से विभाग अपने हाथ खींच रहा है. ऐसे हालातो में रामगढ़ के स्मारक बेसहारा नजर आ रहे.जबकि सरकार स्मारकों की सुरक्षा और व्यवस्थाओं पर पानी की तरह पैसा बहा रहा है.

व्यवस्थाओं और सफाई का अभाव

मध्य प्रदेश शासन पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्राचीन ऐतिहासिक धरोहरों को संवारने और संजोने पर पानी की तरह पैसा बहाया जा रहा है। इसके बावजूद भी विभाग की लापरवाही और मनमानी के चलते इन स्मारकों पर व्यवस्थाओं का टोटा नजर आता है. स्मारकों पर पीने का पानी, बैठने, स्मारक की जानकारी के साइन बोर्ड और गाइड की पर्याप्त व्यवस्था भी नहीं है.जिससे लोगों को स्मारक की जानकारी नहीं मिल रही है. स्मारकों तक पहुंचाने के लिए पहुंच मार्ग का भी अभाव है.वहीं स्मारकों के अंदर और परिसर पर गंदगी का अंबार लगा हुआ है.सड़क किनारे स्मारकों तक पहुंचाने के साइन बोर्ड नहीं लगे है.ऐसे हालातो में पर्यटकों का पहुंचना दुबर हो रहा है.जिससे शासन की मंशा पूरी नहीं हो रही है.

क्षेत्र में मध्य प्रदेश शासन के जिला पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग द्वारा पांच पुरा स्मारक संरक्षित हैं. जिसमें विभाग के अभिलेखों के आधार पर कुटकेश्वर महादेव मंदिर, देवल घाट महादेव मंदिर, सप्तमड़ियां बड़ोह, 16 खंबा बड़ोह और रामगढ़ की सत मड़िया शामिल है. जो अपनी प्राचीन स्थापत्य कला, मूर्ति कला, संस्कृति, सभ्यता, समृद्धि, वैभव और इतिहास का गुणगान कर रही है.जिस पर इतिहासकार, पुराविद्, आर्किटेक्चर और शोध के विद्यार्थी नियमित अध्ययन करने में लगे हुए हैं.मौर्य काल, गुप्त काल, गुर्जर प्रतिहार काल और गौड़ साम्राज्य के दौरान इन ऐतिहासिक स्मारकों का निर्माण हुआ है. जो भावी पीढ़ी की महान अतीत धरोहर है. क्षेत्र के प्राचीन इतिहास के अध्ययन के गिने-चुने स्मारक बचे हैं.आज विभाग की लापरवाही और भर्राशाही के चलते यह स्मारक असुरक्षा और बदहाली के शिकार हो रहे हैं. जिससे धीरे-धीरे पर्यटकों का मन मोह भंग हो रहा है.

गंदगी के बीच रोजी-रोटी तलाशने को महिलाएं मजबूर

महिला सशक्तिकरण की आवाज हुई गुम

नवभारत न्यूज

सांची,सरकार गरीबों के उत्थान और महिला सशक्तिकरण के लिए तमाम योजनाएं चला रही है. लेकिन ज़मीनी हकीकत इन दावों को झुठलाती नज़र आती है. ऐतिहासिक नगर सांची की चमक-दमक के पीछे गरीबी और गंदगी की दर्दनाक तस्वीरें अब भी बदस्तूर जारी हैं.यहां महिलाएं और बच्चे गंदगी के ढेरों में रोज़ी तलाशते दिखाई देते हैं. यह न केवल शासन-प्रशासन की नाकामी को उजागर करता है, बल्कि इस विश्वविख्यात पर्यटन स्थल की छवि पर भी धब्बा लगाता है.

सांची विश्व पर्यटन मानचित्र पर एक प्रमुख स्थान रखता है, जहां प्रतिदिन देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं. लेकिन नगर के कुछ हिस्सों में फैली गंदगी और उसमें जीवन-यापन करती महिलाओं को देखकर पर्यटक दंग रह जाते हैं. यह दृश्य सांची की गौरवशाली पहचान को म्लान कर देता है.सरकार ने गरीबी उन्मूलन, महिला सशक्तिकरण और स्वच्छता के लिए अनेक योजनाएं लागू की हैं, वहीं स्वास्थ्य विभाग भी जागरूकता अभियान चलाता रहता है. बावजूद इसके, जब महिलाएं गंदगी के बीच अपनी रोज़ी तलाशती दिखाई देती हैं, तो यह स्पष्ट होता है कि योजनाओं का लाभ उन तक नहीं पहुंच पा रहा.इन हालातों में जहां एक ओर नगर की छवि देश-विदेश में प्रभावित हो रही है, वहीं दूसरी ओर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की संवेदनहीनता भी उजागर होती है.जो मंचों से स्वच्छता और महिला सशक्तिकरण की बातें करते हैं, वे इन महिलाओं की सुध तक नहीं लेते.अब समय आ गया है कि शासन-प्रशासन और जनप्रतिनिधि इन महिलाओं की वास्तविक स्थिति को समझकर ठोस कदम उठाएँ. गंदगी में अपनी रोज़ी खोजने को मजबूर ये महिलाएँ केवल सरकारी योजनाओं की नाकामी नहीं, बल्कि समाज के संवेदनहीन हो जाने की तस्वीर भी हैं1 यदि प्रशासन इच्छाशक्ति दिखाए तो इन्हें स्वच्छ और सम्मानजनक रोज़गार उपलब्ध कराया जा सकता है. अधिकारी इस गंभीर विषय पर ध्यान देंगे और इन महिलाओं के जीवन में बदलाव लाने की दिशा में सार्थक कदम उठाएंगे.क्योंकि सांची की पहचान केवल ऐतिहासिक स्मारकों से नहीं, बल्कि यहां के लोगों की गरिमा से भी है.

कलेक्टर ने खबर पर तुरंत लिया संज्ञान

पठारी, नवभारत समाचार पत्र ने प्रमुखता से भूख मिटाने के लिए बच्चे गंदगी में से प्लास्टिक ढूंढने को मजबूर नामक शीर्षक से समाचार प्रकाशित किया था.जिस पर जिला कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने त्वरित संज्ञा लेते हुए जांच करने के निर्देश दिए जिला पंचायत मुख्य कार्य कार्यपालन अधिकारी ओपी सनोडिया, एसीओ पंकज जैन और कुरवाई जनपद सीईओ आयुष अग्रवाल ने मामले की जांच की. जिसमें ग्राम पंचायत पठारी के सचिव गोविंद सिंह राजपूत और रोजगार सहायक मुकेश जैन में गली गली मोहल्ला मोहल्ला पहुंचकर ऐसे बच्चों की पड़ताल की.

Change of Name

MY OLD NAME WAS **JIMMY KUMAR TALREJA,** I HAVE CHANGED MY NAME AND MY NEW NAME IS **JIMMY TALREJA S/o KUMAR TALREJA,** I WILL BE KNOWN BY MY NEW NAME **JIMMY TALREJA**

ADDRESS – URMILA VIHAR, NEAR PALIWAL COLONY SIRONJ DIST – VIDISHA (M.P)

♦ शव वाहन / फ्रीज़र
♦ ब्लड ग्रुप लिस्ट
♦ मरीज इलाज उपकरण
♦ पुराने लेकिन पहनने योग्य वस्त्र
♦ देहदान नेत्रदान संकल्प के लिए

निःशुल्क सेवा

शेरपुरा विदिशा में विकास पचौरी फोटो स्टूडियो के बगल में स्थित सुनो रेडियो स्टेशन पर संपर्क करें.

मोबाइल में बजता है
विकास पचौरी फाउण्डेशन द्वारा प्रसारित

सुनो रेडियो 84 35 250 250

प्ले स्टोर/एप स्टोर से डाउनलोड करके आनंद लीजिए

100 वर्ष का संघ | **जिले भर में निकल रहे संचलन, हो रहे उद्बोधन**

5000 स्वयंसेवकों के कदमों ने लिखी गौरवगाथा

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर रविवार को नगर में इतिहास रचने वाला अद्भुत दृश्य देखने को मिला. 11 बस्तियों से एक साथ प्रारंभ हुए 5000 स्वयंसेवकों के पद संचलन ने नगर को राष्ट्रभावना से सराबोर कर दिया. जय स्तंभ चौक पर पहुंचकर सभी शाखाओं का संचलन जब एक साथ मिला यह दृश्य मानो राष्ट्र संगम' का प्रतीक बन गया.

जय स्तंभ चौक पर सभी बस्तियों से निकले पथ संचलन के संगम होकर नेहरू चौक से होते हुए तरण तारण पाठशाला में त्रिवेणी का रूप बन गया. जहाँ भगवा ध्वज की छत्रछाया में गूंजते भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारों से पूरा वातावरण देशभक्ति से भर उठा. पथ संचालन के दौरान नगर की गलियां फूलों से सजीं, छतों से बरसे पुष्प, और मातृशक्ति ने मंगल कलश लेकर आरती उतारी.हर चौक, हर मार्ग, हर मोड़ पर लोगों, विभिन्न समाजों, व्यापारिक संगठनों ने संघ के शताब्दी वर्ष के इस गौरवशाली क्षण का स्वागत किया. पाठशाला में संघ के द्वारा समापन के पश्चात आतिशबाजी कर शताब्दी वर्ष का उत्सव मनाया गया.

हैदरगढ़ में स्वयं सेवकों ने किया पथ संचलन

हैदरगढ़ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर एक पथ संचलन निकाला गया. पथ संचलन का शुभारंभ राजमंदिर प्रांगण से शुरू हुआ माँ सरस्वती पूजन से किया गया पथ संचलन का नगर मैं घरों के द्वार पर रंगोली सजाकर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया. पथ संचलन से पहले संघ के सभी सदस्य राजमंदिर पर एकत्रित हुए जिसमें पूर्ण और सुसज्जित गणवेश स्वयं सेवक कदम से कदम मिला कर चल रहे थे.

आनंदपुर में सैकड़ों स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में हुए शामिल, नगरवासियों ने की फूल वर्षा

आनंदपुर में स्वयंसेवक संघ के स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने एवं विजयादशमी पर्व के उपलक्ष में रविवार को आनंदपुर में संघ का भव्य पथ संचलन निकाला गया. इस ऐतिहासिक अवसर पर आनंदपुर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से आए लगभग 200 से अधिक स्वयंसेवकों ने अनुशासन, एकता और देशभक्ति का परिचय दिया.स्वयंसेवक पारंपरिक वेशभूषा में, हाथों में दंड लेकर संघ की थाप पर कदमताल करते हुए आगे बढ़े, जिनका नगरवासियों ने जगह-जगह फूल वर्षा कर स्वागत किया.श्रीवास्तव ने कहा कि आज हम स्वयंसेवक अपने जीवन में राम की मर्यादा और कृष्ण की नीति, दोनों को आत्मसात करते हैं. भगवान श्रीराम ने शबरी और केवट जैसे साधारण जनों को सम्मान दिया, वहीं श्रीकृष्ण ने अधर्म के विनाश के लिए कर्ण का वध कराया. इसी तरह हमें भी समाज में बढ़ते कट्टरपंथ और विभाजनकारी विचारधाराओं से मुकाबला करते हुए हर घर में संघ का एक स्वयंसेवक तैयार करना है.बौद्धिक सत्र के बाद स्वयंसेवकों ने संघ की प्रार्थना की और फिर पथ संचलन का शुभारंभ पीएम श्री विद्यालय परिसर से किया गया. यह संचलन मुख्य बाजार से होते हुए आनंदपुर के प्रमुख मार्गों से निकलाइस अवसर पर देवेंद्र गुप्ता (खंड संचालक), संजय चौरसिया (खंड सह संघ चालक), हरिनारायण अहिरवार (जिला कार्यवाह), आशीष शर्मा भाजपा मंडल अध्यक्ष सहित अनेक स्वयंसेवक और नगरवासी उपस्थित रहे.

उद्योग एवं रोज़गार वर्ष 2025
इन्वेस्ट मध्यप्रदेश
अनंत संभावनाएं

MSME

समर्थ एमएसएमई
विकसित मध्यप्रदेश

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

MSME
निवेश प्रोत्साहन एवं संवर्धन 2025

मुख्य अतिथि
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

13 अक्टूबर, 2025
अपराह्न 2:00 बजे
होटल ताज लेकफ्रंट भोपाल

प्रदेश सरकार सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र को प्रोत्साहन देकर अधिक से अधिक युवाओं को स्व-रोज़गार से जोड़ रही है।
- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

D11122/25

प्रमुख आकर्षण

प्रोत्साहन राशि
700 इकाइयों को ₹200 करोड़ से अधिक अनुदान

भू-खण्ड आवंटन
200 से अधिक भूखण्ड

स्टार्ट-अप्स को सहायता
80 से अधिक स्टार्ट-अप्स को ₹1 करोड़ से अधिक

मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना
हितग्राहियों को ऋण

परिचर्चा
- स्वदेशी एवं स्वावलंबन

विषयगत सत्र
- स्टार्ट-अप्स
- निर्यात प्रोत्साहन

सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025